major semester I 2025 - 2029. Date 07/02/2026

merits and demerits of case study method of psychology —

व्यक्ति अध्ययन विधि मनोविज्ञान की ऐसी विधि है जिसमें एक व्यक्ति विशेष (case) का गहनता से अध्ययन किया जाता है। इस विधि का उपयोग विशेष व्यक्तियों/प्रतिक्रियाओं के अध्ययन हेतु किया जाता है।

व्यक्ति अध्ययन विधि गुणात्मक विश्लेषण की एक विधि है जिसमें एक व्यक्ति, एक परिस्थिति अथवा एक संस्था की वास्तविकता का समग्र चित्रण किया जाता है। व्यक्ति अध्ययन पद्धति किसी एक सामाजिक इकाई चाहे वह एक व्यक्ति, एक परिवार, एक संस्था, एक सांस्कृतिक समूह अथवा सम्पूर्ण समुदाय क्यों न हो, के जीवन की खोज तथा विश्लेषण की पद्धति है।

व्यक्ति अध्ययन विधि के अन्तर्गत किसी एक व्यक्ति समूह, संस्था, समुदाय, घटना अथवा परिस्थिति के सभी पक्षों का व्यापक, सूक्ष्म तथा गहन अध्ययन किया जाता है। व्यक्ति अध्ययन विधि इस किसी व्यवहार अथवा घटना के अध्ययन हेतु उससे सम्बन्धित विभिन्न पक्षों का विस्तृत विवरण प्राप्त करके कारणों की पहचान करने का प्रयास किया जाता है। विशिष्ट गुणों वाले एक व्यक्ति कोई समूह संस्था अथवा विशिष्ट घटना से इत्यादि से प्राप्त प्रदत्तों को संकलित करके विश्लेषण के आधार पर अध्ययन किया जाता है।

पियाजे ने तीन बच्चों के निरीक्षण के आधार पर सुप्रसिद्ध संज्ञानात्मक विकास के सिद्धांत को प्रस्तुत किया, फ्रायड ने कुछ व्यक्ति अध्ययन करके मनोविश्लेषण के सिद्धांत का प्रतिपादन किया, समाजीकरण, आक्रामकता, व्यक्तित्व विकास इत्यादि के अध्ययन में व्यक्ति अध्ययन विधि का व्यापक उपयोग किया गया है।—

(merits) — व्यक्ति अध्ययन विधि किसी बालकों के मानसिक तथा शारीरिक विकास क्रम को जानने का मौका मिलता है — मनोवैज्ञानिक को इस बात की जानकारी हो जाती है।—

यह विधि मन्द बुद्धि - तीव्र बुद्धि तथा समस्या बालकों
के अध्ययन में काफी उपयोगी सिद्ध हुई है।
इस प्रविधि का सबसे बड़ा गुण यह है कि अल्प
विद्यार्थियों के साथ भी सहज प्राप्त होते हैं
उनके मूल्यांकन में इससे बड़ी मदद मिलती है।

(Demerits) (i) प्रश्नावलियों की अविश्वसनीयता :-
जाँच अध्ययन - विधि की एक प्रमुख आपत्ति
यह है कि इसके द्वारा जो सूचनाएँ प्राप्त होती हैं
वे अधिकतर विश्वसनीय नहीं होती, क्योंकि माता
पिता या उनके संबंधी अपने बच्चों के बारे में
सूचना देते हैं - उनकी प्रतिक्रिया भी भिन्न होती है
स्वाभाविक अपने बालकों की बुरी आदतों को बताने
में प्रायः गलत बयानी करते हैं -

(ii) वैयक्तिक कारकों का प्रभाव - विभिन्न व्यक्ति जो
प्राप्त सूचनाओं की व्याख्या करते समय - अपने वैयक्तिक
अपनी व्यक्तिगत अनुभूतियों एवं धारणाओं से
प्रभावित हुए बिना नहीं रहते - इस - व्यक्ति के
व्यक्तित्व विकास पर वंशानुक्रम परिवेश
शारीरिक अवस्था आदि का क्या प्रभाव पड़ता है,
इसकी व्याख्या में मनोवैज्ञानिक की अपनी
व्यक्तिगत धारणा प्रभाव डालती रहती है,
अतः किसी बालक के बारे में भी यह - सूचनाओं का
विश्लेषण एवं उनकी व्याख्या करते समय इस
धारणा का प्रभाव पड़ना बिल्कुल स्वाभाविक है

(iii) अधिक समय लगना -

(iv) कुशल विश्लेषक का अभाव -

(v) गोपनीयता - इसमें गोपनीयता का बोध नहीं होता
है - क्योंकि उसके अभिभावकों से इतने -
प्रश्न पूछे जाते हैं - कि वे गोपनीयता को
अनुभव करने लगते हैं, फलतः वे स्वाभाविक
होकर अपनी ... प्रश्नों के उत्तर में अपनी
सही जानकारी नहीं देते हैं - ऐसे गलत उत्तरों
के आधार पर जो निष्कर्ष निकलेगा - वह
अवश्य ही गलत होगा - ।। 27/04/2020